जनवरी 2017

वर्ष 29 षष्ठम् अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

9 शौर्यवान पाए सही दिशा

विशेष स्तम्भ

10 समसामयिक सामान्य ज्ञान
17 आर्थिक परिदृश्य
21 राष्ट्रीय परिदृश्य
25 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
28 क्रीड़ा जगत्
32 केन्द्रीय मंत्रिपरिषद्
33 रोजगार समाचार
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 विज्ञान समाचार
38 युवा प्रतिभाएं
40 सारभूत तत्व कोष

लेख

44 संवैधानिक लेख—संवैधानिक रूप लेता 'आधार कार्ड'
46 सामयिक लेख—नेट तटस्थता (नेट न्यूट्रैलिटी) का अभिप्राय एवं महत्व
47 प्रतिरक्षा लेख—देश की परमाणु ताकत बढ़ाएगी आईएनएस अरिहंत
48 प्राकृतिक आपदा—अनियोजित शहरीकरण का नतीजा : बाढ़
50 कृषि लेख—जैविक खेती : रसायनयुक्त कृषि का सदाबहार विकल्प

हल प्रश्न-पत्र

52 एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'सी' एण्ड 'डी' परीक्षा, 2016
64 रेलवे भर्ती बोर्ड (एन.टी.पी.सी.) परीक्षा, 2016
81 मध्य प्रदेश उपयंत्री परीक्षा, 2016
85 छत्तीसगढ़ ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक परीक्षा, 2016
90 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकेण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2015
104 छत्तीसगढ़ प्री.डी. एड. परीक्षा, 2016
110 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जी.डी.) भर्ती परीक्षा, 2016
117 छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2016

सामान्य

131 वार्षिक रिपोर्ट 2015-16 : भारतीय तकनीकी-वस्त्र उद्योग में पुनः वृद्धि हेतु नए संस्तर-विहंगावलोकन
134 ज्ञान वृद्धि कीजिए
135 मध्य प्रदेश वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

शौर्यवान पाए सही दिशा

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

प्राचीन कहावत है कि 'जे कम्मेशूरा ते धम्मेशूरा' अर्थात् जो कर्म में शूरवीर होते हैं, वे ही धर्म में भी शूरवीर होते हैं. धर्म भी वही कर सकता है, जो शूरवीर हो. शौर्यगुण सम्पन्न हो. कमजोर आदमी के वश की बात नहीं. क्यों ? ऐसा क्यों कहा जाता है कि कमजोर आदमी धर्म नहीं कर सकेगा ? क्योंकि वह मन की इच्छाओं के अधीन बिक जाएगा. बाहरी ललचाने वाली स्थितियाँ उसे अपनी ओर आसानी से आकर्षित कर पाएंगी. किसी का भी रोना-धोना उसे प्रभावित कर देगा. उसको लक्ष्य पथ से विचलित कर देगा. आत्मज्ञान का पथ कमजोरों के लिए नहीं है, वैदिक ऋषि कहते हैं कि—

'नायमात्मा बलहीनेन लभ्यः ।'

यह आत्मा बलहीनों को उपलब्ध नहीं हो पाती, क्योंकि वे मनरूपी विकट वन में व्याप्त भय, काम, क्रोध व लोभ के वशवर्ती हो जाया करते हैं. इसीलिए साहस जरूरी है. साहस यानि शौर्य, जब सही दिशा में गति करता है, तो धर्म प्रगट होता है, गलत दिशा में जाए, तो दुष्कर्म व अधर्म. ये जितने भी दुस्साहसी लोग हैं, जिन्होंने मानवता को मृत्यु की कगार पर ला खड़ा कर दिया है, अपने आतंक से समूचे विश्व को परस्पर विद्वेष की ज्वाला में झोंक दिया है, उनका दुस्साहस सही दिशा पाए. इनकी बुद्धिमानी विनाश की व्यूह रचना से विराम पाए इस हेतु हम सभी को सतत् गुंजायमान रहे—

लो करें मिलकर सभी हम प्रार्थना
इस जगत में हर तरफ आनन्द वर्ते

दूसरे होवे सुखी सह लें भूलें हम आत्मभावों से भरकर प्रार्थना करनी है. स्वामी राम ने कभी कहा कि, 'जैसे महामारी से बचने का एकमात्र उपाय आरोग्यशास्त्र के नियमों के अनुसार चलना है उसी प्रकार विदेशजन्य राजनीति से रक्षा पाने का एकमात्र मार्ग है, आध्यात्मिक स्वास्थ्य के नियम के अनुसार अपने पड़ोसी के प्रति आत्मवत् प्रेम का व्यवहार करना. जब हम अपने भावों से दलगत राजनीति का प्रभाव त्याग कर, पूर्वाग्रह ग्रस्त सोच का विसर्जन करके मानव मात्र को आत्मवत् जानकर सम्भावित चित्त से जीएंगे तब ही हमारा विश्व विकास के सोपानों पर सत्साहस से सही दिशा में बढ़ पाएगा. समूचे विश्व में परस्पर समझदारी एवं सद्भावना बढ़े—यही परमात्मा से सतत् प्रार्थना है.

सर्वे भवन्तु सुखिनः,
सर्वे सन्तु निरामया ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु,
मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्।।